लखनऊ, 19 दिसंबर 2016 दैनिक जागरण

किसानों तक पहुंचाएं शोध का लाभ: नाईक

जागरण संवाददाता, लखनऊ: गन्ना शोध के बाद जिस भी तकनीक का विकास हुआ उसे किसानों तक पहुंचाएं और इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी निष्ठा से निभाएं। यह कहना है राज्यपाल रामनाईक का।

रविवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, की ओर से उत्पादकता और गुणवत्ता सुधार विषय पर एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुंचे राज्यपाल रामनाईक ने संस्थान द्वारा विकसित गन्ना यंत्रों, उत्पादन तकनीकों तथा गुड़ को सराहा। साथ ही निर्देश दिया कि इन तकनीकों का लाभ किसानों को कैसे मिले इस पर सभी अवश्य चर्चा करें, क्योंकि ऐसा करके ही प्रयोगशाला कि जानकारी किसानों तक पहुंच सकेगी।

संस्थान के उन्नत गुड़ पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि गुड़ का उपयोग आम लोगों द्वारा कैसे बढ़े इस पर भी विचार करने कि जरूरत है। संस्थान के निदेशक डॉ.एडी पाठक ने चीनी मिलों से प्राप्त इथनाल का पेट्रोल-डीजल में अधिक से अधिक मात्रा में मिश्रण कि आवश्यकता पर बोलते हुए कहा कि ऐसा करना गन्ना किसानों, गन्ना उद्योग तथा देश कि अर्थ व्यवस्था के लिए लाभकारी है। कार्यक्रम में प्रदेश तथा अन्य राज्यों के लगभग 250 वैज्ञानिक, अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान कृषि निदेशक डॉ. ज्ञान सिंह महाप्रबंधक डॉ. वीके यादव, व आरपी सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, सोमवार, 19 दिसम्बर, 2016

किसानों तक पहुंचाई जाये गन्ना तकनीकों की जानकारी : राज्यपाल

लखनऊ। राज्यपाल राम नाइक ने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में शंकर धान और गन्ने की उत्पादकता तथा गुणवत्ता सुधार विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए सभी वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों से अपील की कि गन्ना

संगोष्ठी

गुड बनाने की तकनीक से रुबरु हुए राज्यपाल

सूबे के अलावा अन्य प्रदेशों के ढ़ाई सौ वैज्ञानिक और अधिकारियों ने की कार्यक्रम में शिरकत

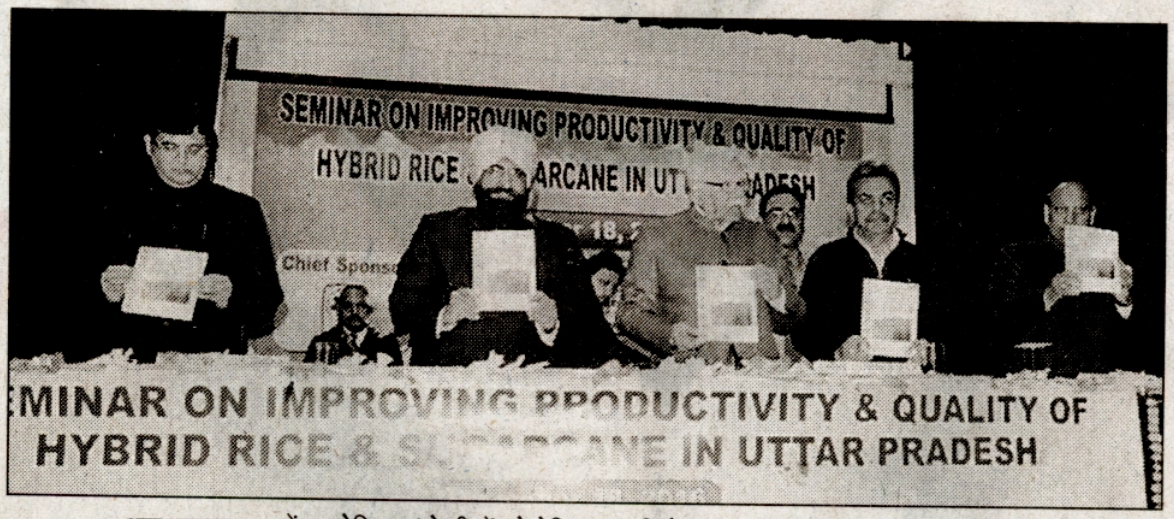

आइआइएसआर में आयोजित संगोष्ठी में सोनोवियर का विमोचन करते राज्यपाल राम नाईक व अन्य

शोध के उपरांत जो भी तकनीकों का विकास हुआ है उसे किसानों तक अवश्य पहुंचाएं साथ ही इस दिशा में वैज्ञानिक संस्थाएं अपनी-अपनी जिम्मेदारी निष्ठा से निभाएं। इस संगोष्ठी का आयोजन कृषि एवं ग्रामीण विकास सेवा समिति व भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। जिसमें प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के लगभग 250 वैज्ञानिकों, अधिकारियों ने भाग लिया। इससे पूर्व राज्यपाल ने संस्थान के तकनीकों का अवलोकन किया तथा संस्थान के निदेशक डॉ. ए डी पाठक तथा अन्य वैज्ञानिकों ने राज्यपाल को विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित गन्ना यंत्रों, उत्पादन तकनीकों तथा गुड़ को सराहा। साथ ही निर्देश दिया कि इन तकनीकों का लाभ किसानों को कैसे मिले इस पर आप सभी लोग अवश्य चर्चा करें, क्योंकि ऐसा करके ही प्रयोगशाला कि जानकारी किसानों तक पहुँच पाएगा। संस्थान के उन्नत गुड़ पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने बताया कि गुड़ का उपयोग आम लोगों द्वारा कैसे बढ़े इस पर भी विचार करने कि जरूरत है। चीनी मिलों से प्राप्त इथनाल का पेट्रोल-डीजल में अधिक से अधिक मात्रा में मिश्रण कि आवश्यकता पर बोलते हुए बताया कि ऐसा करना गन्ना किसानों, गन्ना उद्योग तथा देश कि अर्थ व्यवस्था के लिए लाभकारी है तथा वर्तमान सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में चीनी परता बढ़ाने के लिए सभी से अधिक परिश्रम करने का अपील किया। उदघाटन सत्र में डॉ. एडी पाठक, डॉ. ज्ञान सिंह, कृषि निदेशक, डॉ. वीके यादव, महाप्रबंधक ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरपी सिंह ने किया।

लखनऊ
सोमवार, 19 दिसंबर 2016
अमर उजाला

किसानों तक पहुंचाएं उत्तम तकनीक : नाईक

लखनऊ (ब्यूरो)। राज्यपाल राम नाईक ने कहा है कि गन्ना उत्पादन से जुड़े किसानों की स्थिति में तभी सुधार संभव है, जब उनको उत्तम तकनीक और सुविधाएं मुहैया कराई जाए। इसके लिए उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से सार्थक पहल करने की अपील भी की। राज्यपाल ने रविवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में 'शंकर धान और गन्ने की उत्पादकता, गुणवत्ता व सुधार' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही। कृषि वैज्ञानिकों, अफसरों व किसानों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि गन्ना उत्पादन के क्षेत्र में विकसित तकनीक का अधिक से अधिक लाभ किसानों को दिलाने के लिए चर्चा होनी चाहिए। साथ ही, अनुसंधान के दौरान किए जाने वाले प्रयोगों के परिणामों की जानकारी भी उनको मिलनी चाहिए। ताकि, वे उसी के मुताबिक अपनी खेती में बदलाव कर सकें।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, सोमवार, 19 दिसम्बर 2016

फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिला डॉ. स्वामीनाथन पुरस्कार

संवाददाता, लखनऊ।

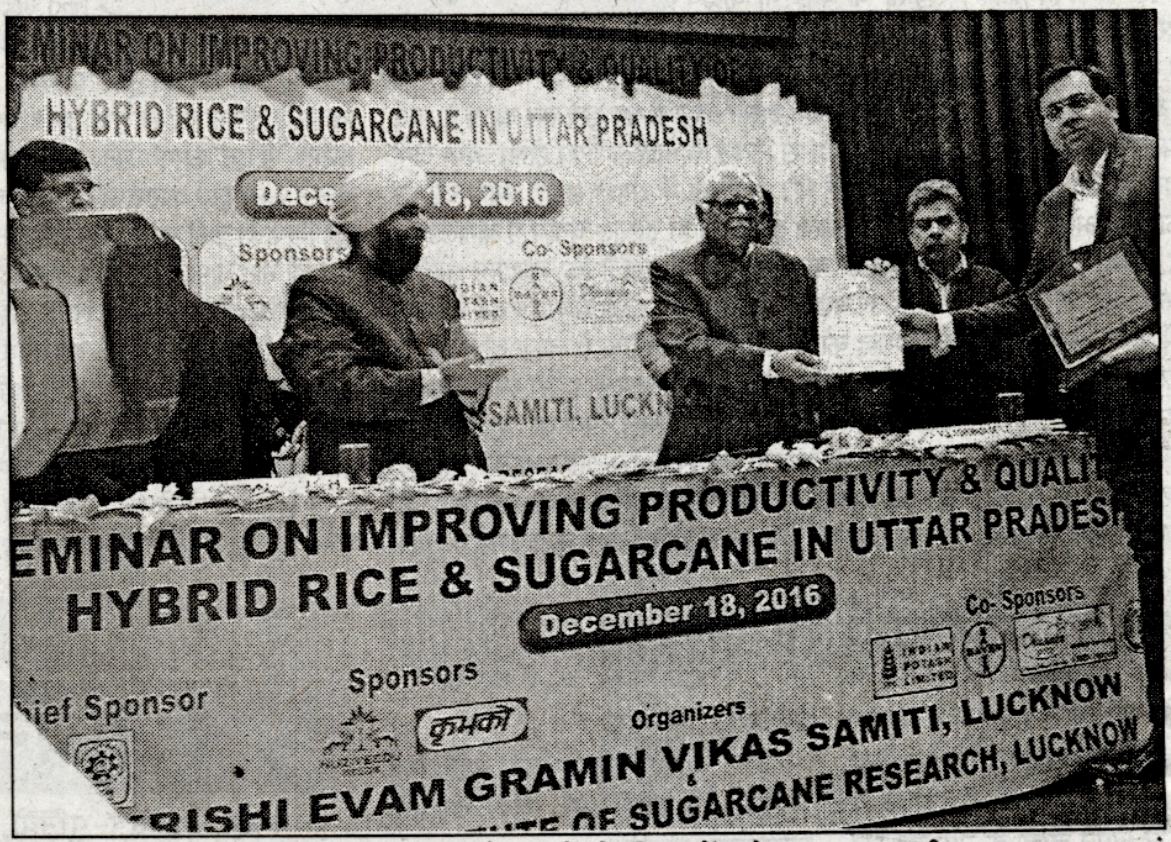

कृषि एवं ग्रामीण विकास सेवा समिति के तत्वावधान में संकर धान एवं गन्ना की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में सुधार पर संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि राज्यपाल राम नाईक ने संगोष्ठी में नुजीवीडू सीड्स लिमिटेड के बिजनेस हेड ऋषि अरोरा को उनके अनुभव एवं कृषि इनपुट में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष २०१६ का डॉ. एमएस स्वामीनाथन पुरस्कार दिया।

श्री अरोरा ने नुजीवीडू कम्पनी की शुरुआत १९९६ में की और विगत २० वर्षों से कम्पनी के अच्छे गुणवत्ता वाले बीजों के माध्यम से धान, मक्का, गेहूँ, बाजरा, सूरजमुखी व अन्य फसलों की उत्पादकता बढ़ाकर उप्र के किसानों के हित में कार्य किया है।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के सभागार में आयोजित सेमिनार में भारत के विभिन्न संस्थानों से आए संकर धान एवं गन्ना के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सम्बोधित किया।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने फसल की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार की तकनीकी जानकारी दी।